डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www.awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक ३१ रविवार २१ जुलाई से २७ जुलाई २०२४ मूल्य तीन-रुपये

संचार क्रान्ति के समक्ष विश्वसनीयता का संकट कलम न होती तो दुनियां में कोई आन्दोलन न होता

-दैनिक भारतीय बस्ती के स्थापना दिवस पर 'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता' में व्यापक विमर्शः-राजेन्द्रनाथ तिवारी, डा. वी.के. वर्मा, कुलवेन्द्र सिंह, जिशान हैदर रिजवी, प्रमोद ओझा, गौहर अली को हरिश्चन्द्र अग्रवाल स्मृति पत्रकारिता एवं समाज सेवा और वरिष्ठ छायाकार मो. इब्राहीम की स्मृति में खेल के क्षेत्र में कृष्णा गौड़, मान्या कसौधन और खेल प्रशिक्षक विकास कुमार सोनकर सम्मानित

संवाददाता–बस्ती। दैनिक भारतीय बस्ती के 46 वें स्थापना दिवस पर शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में 'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता' विषयक संगोष्ठी में व्यापक विमर्श के साथ ही पत्रकार हरिश्चन्द्र अग्रवाल स्मृति सम्मान से राजेन्द्रनाथ तिवारी, डा. वी.के. वर्मा, कुलवेन्द्र सिंह, जिशान हैदर रिजवी, प्रमोद ओझा, गौहर अली को पत्रकारिता एवं समाज सेवा और वरिष्ठ छायाकार मो. इब्राहीम की स्मृति में खेल के क्षेत्र में कृष्णा गौड़, मान्या कसौधन और खेल प्रशिक्षक विकास कुमार सोनकर को संजय अग्रवाल, मो. अरशद महमूद की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। मैराथन संगोष्ठी में विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि ा अंकुर वर्मा, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाराम चौधरी, वरिष्ठ सपा नेता चन्द्रभूषण मिश्र, डा. वी.के. वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, अवध ेश त्रिपाठी आदि ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश पर समग्र रूप से प्रकाश डाला।

विषय प्रर्वतन करते हुये भारतीय बस्ती के संस्थापक सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि हमें सच कहने का साहस बनाये रखना होगा, भारतीय बस्ती न किसी से डरा न डराया। अध्यक्षता करते हुये पूर्व सांसद अष्टभुजा प्रसाद शुक्ल ने कहा कि कलम न होती तो दुनियां में कोई आन्दोलन न होता। पत्रकारिता में सृजनात्मक बदलाव के लिये युवा पीढी को आगे आना होगा। वक्ताओं ने कहा कि संचार क्रान्ति के समक्ष सबसे बडा संकट विश्वसनीयता का है। प्रेम कुमार ओझा ने कहा कि गोण्डा में ट्रेन हादसे के दौरान लोग घायलों को बचाने की जगह वीडियो बना रहे थे, यह नये किस्म की अमानवीय त्रासदी है, इससे उबरना होगा।

'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता' संगोष्ठी में सुभाष शुक्ल, जगदीश शुक्ल, राम नरेश सिंह मजुल, डा. सत्यव्रत द्विवेदी, सत्येन्द्र सिंह भोलू, विनोद उपाध्याय, योगेश शुक्ल, सिद्धेश सिन्हा, वीरेन्द्र पाण्डेय, संध्या दीक्षित, पुनीत दत्त, सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी ओझा आदि ने कहा कि समाज जड़ नहीं हो सकता, उसकी गतिशीलता बनी रहेगी। मुद्रित समाचार पत्रों की भूमिका कभी समाप्त नहीं होगी। आभार ज्ञापन सम्पादक दिनेश सिंह और संचालन संयुक्त सम्पादक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने किया।

संगोष्ठी में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल, रालोद नेता अरूणेन्द्र पटेल, महेश सिंह, दुष्यंत विकम सिंह, ब्रम्हदेव यादव देवा, अयाज अहमद, संदीप गोयल, अनुराग कुमार श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश शर्मा, दुर्गेश कुमार ओझा, श्रीकान्त मिश्र, राघवेन्द्र मिश्र, राम बाबू श्रीवास्तव, अर्जुन उपाध्याय, राजेश चित्रगुप्त, डा. नवीन सिंह, दीन दयाल तिवारी, कपीश मिश्र, हरिशकर त्रिपाठी, सुनील कुमार पाण्डेय, सन्तोष तिवारी, राजेश चित्रगुप्त, अश्विनी तिवारी, भानु प्रकाश मिश्र कमलेश, अमरमणि पाण्डेय, प्रवीण कुमार पाण्डेय, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, वसीम अहमद, सन्तोष कुमार पाल, पुनीत ओझा, अनूप मिश्र, शैलेन्द्र पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव 'बिन्नू' विजय कुमार पाण्डेय, , रहमान अली रहमान, मो. सामईन फारूकी, विजय प्रकाश चौधरी, अनिल कुमार सिंह, , वशिष्ठ पाण्डेय, दीवानचन्द पटेल, भानु प्रताप सिंह, राजेश उपाध्याय, नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय, गरूणध्वज पाण्डेय, महेन्द्र तिवारी, अमर सोनी, वी.के. त्रिपाठी, दिनेश कुमार पाण्डेय, अरूणेश श्रीवास्तव, राजेश पाण्डेय, भावेष कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय, वीरेन्द्र गोस्वामी, आलोक त्रिपाठी, रमेश मिश्र, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र कुमार, राजेश मिश्र, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, सुरेश सिंह गौतम, अरूणेन्द्र पटेल, आशुतोष नारायण मिश्र, जय प्रकाश गोस्वामी, राकेश तिवारी के साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त ने रोपा आम का पौध

संवाददाता–बस्ती। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने आयुक्त परिसर में आम का पौध रोपित किया। उन्होने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए सभी को युद्धस्तर पर पौधरोपण करने के साथ–साथ पौधो की देखभाल भी करना होंगा। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशान राजीव पाण्डेय, संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार, अपर निदेशक पेंशन एवं कोषागार आत्म प्रकाश बाजपेयी, प्रशासनिक अधिकारी संतोष पाण्डेय, रमेश चन्द्र कन्नौजिया, अनुपम चौधरी, अमित उपाध्याय, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, शलभ श्रीवास्तव, आलोक सिंह, संदीप यादव, पवन यादव, संजय कुमार, समीम अहमद, सौरभ कुमार द्वारा एक–एक फलदार व छायादार पौध रोपण भी किया गया।

100 घनमीटर तक कर सकेंगे मिट्टी का खनन

लखनऊ (आभा)। यूपी में लोग अब महज आनलाइन पंजीकरण कर निजी कार्य के लिए 100 घनमीटर तक मिट्टी का खनन कर सकेंगे। पुलिस और प्रशासन द्वारा मिट्टी खनन पर उनसे परमिट की मांग नहीं की जा सकेगी। इस आशय का आदेश मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शनिवार को जारी किया है। इस फैसले से प्रदेश के किसानों, कुम्हारों तथा आम लोगों को काफी राहत मिलेगी।

मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश में तहसील और थानों के कर्मियों को इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है। इस आदेश के मुताबिक 100 घनमीटर तक मिट्टी के खनन और ढुलाई के लिए लोगों को खनन विभाग की वेबसाइट पर इससे संबंधित आवश्यक सूचना भरनी होगी।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

प्रदूषण और मौतें

यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। पिछले दिनों चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन शहरों में निर्धारित मानकों से अधिक प्रदूषण है, वहा भी प्रदूषण नियंत्रण के लिये केंद्र द्वारा आवंटित राशि का बड़ा हिस्सा अनुपयोगी रह जाता है। विडंबना देखिए कि 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। यह स्थिति तब है जब देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। कालांतर नये लक्ष्य निर्धारित किये गए और कहा गया कि दो वर्ष का समय आगे बढ़ाकर लक्ष्य को चालीस फीसदी कर दिया जाए। दरअसल, इस अभियान के अंतर्गत वार्षिक आधार पर वायु स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाता है। इस अभियान के तहत वातावरण में व्याप्त धूल को नियंत्रित करने वाले कदम उठाये जाते हैं। मसलन सार्वजनिक यातायात को प्रोत्साहन, शहरों में पौधरोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे अभियान को गति देना। यह कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था। लेकिन राज्य सरकारों व स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान की निगरानी केंद्र सरकार के कुछ विभागों के अलावा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण भी करता रहा है। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। उल्लेखनीय है कि प्रदूषित शहरों को वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप कार्यक्रम संचालित करने थे। ये वे शहर थे जहां पांच सालों तक हवा की गुणवत्ता लक्षित मानकों से कम रही थी। केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। यह स्थिति इस गंभीर चुनौती को लेकर आपराधिक लापरवाही को ही दर्शाती है। जाहिर है ऐसी लापरवाही से इन शहरों की हवा सुधारने के लक्ष्य हासिल करना असंभव ही लगता है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल–डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल ही नजर आता है। अब केंद्र सरकार इस दिशा में गंभीरता से पहल कर रही है और नये सिरे से योजना का मूल्यांकन करने जा रही है। जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। निस्संदेह, राज्यों के शासन व स्थानीय प्रशासन के वायु प्रदूषण को लेकर उदासीन रवैये से नागरिकों के जीवन का संकट बरकरार है। दरअसल, ऐसे कार्यक्रमों की सार्थकता नागरिकों की जागरूकता पर भी निर्भर करती है। सर्वविदित तथ्य है कि न तो सरकारों के पास पर्याप्त संसाधन हैं और न ही ऐसा विशिष्ट कार्यबल।

विधवा या तलाकशुदा महिला और समाज

–पूरन चंद सरीन–

जब समाज में घटी घटना यह सोचने को विवश करे कि क्या आधुनिक और टैक्नोलॉजी संपन्न परिवेश में ऐसी परंपरा का अभी भी अस्तित्व है जो हमें सदियों पीछे ले जाए? समझना चाहिए कि कहीं तो गड़बड़ है और 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' चरितार्थ हो रहा है। लकीर के फकीर की राह पर चलते हुए परिवर्तन का ढोंग हम और हमारा समाज कर रहा है। मजे की बात यह कि डंके की चोट पर हो रहा है।

विधवा की हैसियत – घटना यह है कि सन् 2023 में सियाचिन क्षेत्र में अपने साथी सैनिकों की रक्षा करने के प्रयास में 23 वर्षीय कैप्टन अंशुमन सिंह की शहादत हो जाती है। उनकी अदम्य वीरता के लिए उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित करने का निर्णय लिया जाता है। यह सम्मान जुलाई 2024 में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। इसे लेने के लिए पिता रवि प्रताप सिंह, मां मंजु सिंह और पत्नी स्मृति सिंह सम्मान स्थल पर उपस्थित होते हैं। विशेष बात यह है कि अंशुमन और स्मृति का विवाह 5 महीने पहले ही हुआ था। कह सकते हैं कि वे अभी अपनी गृहस्थी जमा ही रही थीं कि यह वज्रपात हो गया। इसी तरह माता–पिता भी अपने पुत्र की सफलताओं से गद्गद् हों और उसे तथा उसके परिवार को अपने सामने फलता–फूलता देखें कि यह अनहोनी हो गई। इस हृदय विदारक स्थिति की कल्पना करना कोई कठिन नहीं है क्योंकि किसी व्यक्ति के लिए यह अप्रत्याशित हो सकती है लेकिन जीवन यात्रा के लिए सामान्य है। खैर, कीर्ति चक्र मिलता है, परिवार को संवेदना युक्त शुभकामनाएं भी मिलती हैं। पत्नी का पति के लिए और मां–बाप का पुत्र के लिए गर्व का अनुभव स्वाभाविक है।

चिंता इस बात की है – अब स्थिति यह बनती है जो बहुत ही डक्षचताजनक है। होता यह है कि पिता अपनी विधवा बहू पर आरोप लगाते हैं कि उसे जो सम्मान और धनराशि मिली, वह उसे नहीं मिलनी चाहिए। इसके लिए रक्षा मंत्री तक गुहार लगाते हैं कि निकटतम संबंधी की परिभाषा में सबसे पहले जो पत्नी आती है, उसे बदला जाए। माता–पिता का ही अधिकार हो। पुत्र को जो कुछ सम्मान और धन मिले, उस पर पहला अधिकार उनका हो, पत्नी का नहीं। सोशल मीडिया के कारण दोनों ओर से सफाई और अपना–अपना पक्ष भी रखा जा रहा है जिसका महत्व हो सकता है लेकिन इतना नहीं कि मुख्य मुद्दा गायब हो जाए और वह यह कि विधवा के क्या अधिकार हैं और उनकी सुरक्षा का क्या प्रबंध है ?

समाज से दूरी बनाया जाना, आरोप लगाना, तिरस्कार करना, शक और सुलभ वस्तु का नजरिया रखना जिसके साथ चाहे हिंसा करे, गाली–गलौच हो, कहीं बाहर जाए तो लांछन और किसी भी समारोह में जाने की मनाही, यहां तक कि अपने ही बच्चों से दूरी बनाए रखने की हिदायत मामूली और दैनिक क्रिया बन जाती है। यह सब शायद किसी व्यक्ति या वर्ग को अजब–गजब लगे लेकिन चाहे ग्रामीण हो या शहरी समाज, यही वास्तविकता है। दुख तथा अफसोस इस बात का है कि आज भी यह सब प्रचलन में है। यह महिला का सम्मान या उत्थान तो कतई नहीं है !

हालात क्यों नहीं बदलते? – ऐसा नहीं है कि इस स्थिति को बदलने के प्रयास नहीं हुए हैं, सदियों और दशकों से होते रहे हैं लेकिन उनका कुछ असर हुआ होता तो स्मृति सिंह जैसी घटना देखने को नहीं मिलती। अंग्रेजों द्वारा बनाए कानून, विधवा का फिर से विवाह कर सकने का आंदोलन और उसकी सफलता तथा स्त्री के प्रति केवल उपभोग की दृष्टि न रखकर उसे जीवन संगिनी का वास्तविक दर्जा देने की मुहिम, यह सब और भी बहुत कुछ इस संबंध में हुआ है लेकिन आज भी केवल ढाक के तीन पात का ही चलन दिख रहा है। अंग्रेजों के कानून बदले, विधवा पुर्नविवाह का रास्ता खुला और उसे अपना जीवन अपनी तरह से जीने की स्वतंत्रता की राह दिखी, पति और पारिवारिक संपत्ति में उसके अधिकार को मान्यता दी गई। आज जो नया कानून है वह बहुत ही स्पष्ट है कि अब विधवा का दोबारा शादी कर लेने के बाद भी पहले पति की विरासत में अधिकार है, वह अपनी सुविधा और मर्जी से जीवन जी सकती है लेकिन कानून की सुनता कौन है? वह तो हाथ का खिलौना है और उसे कठपुतली की तरह नचाया जा सकता है। स्त्री और पुरुष की बराबरी की हैसियत के दावे पर मर्द को अपनी मर्दानगी दिखाने की सोच या अहंकार हावी है। कानून को ठेंगा दिखाने में महारत रखने वाले अंधेर नगरी और चौपट राजा सिद्ध कर देते हैं।

हमारे देश में दुर्भाग्य से अधिकतर कानून सब पर लागू नहीं होते, वे अपने धर्म के अनुसार चलते हैं। विरासत का कानून भी उनमें से एक है जो धर्मों के अनुसार चलता है। हालांकि हिंदू, मुस्लिम, ईसाई तथा अन्य धर्मों में यह कुछ न कुछ अलग है लेकिन एक बात सब में समान है कि औरत को उसका जायज हक न मिल सके, इसकी पूरी व्यवस्था है। डक्षहदू स्त्री को गोद लेने का अधिकार है, उसे गुजारे की राशि मिलना तय है, स्वर्गीय पति की तरह अपना स्टेटस बना कर रहने और उसकी संपत्ति में हिस्सा लेने का कानून है, जितने भी दावेदार हैं, उनमें वह भी है और परिवार तथा विशेषकर ससुर पर यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी विधवा बहू को अच्छी तरह रखे, अपनी बेटी मानकर व्यवहार करे और उसकी रजामंदी हो तो उसका दोबारा घर बसाने की पहल करे। इसका प्रावधान है कि उसे उसका हिस्सा मिले। कानून के अनुसार कार्रवाई हो। मुस्लिम स्त्रियां शरीयत की व्यवस्था पर निर्भर हैं। इसी तरह ईसाई, पारसी, सिख तथा अन्य धर्मों में है। उनमें भी स्त्री की दशा निर्भरता की ही है, बात चाहे उनकी रिवायतों की हो या परिवार के दबाव की।

जरूरत क्या है? – भारत में विधवा होने के अभिशाप से नारी को मुक्त किया जाए और जो उसे समाज और परिवार के बंधनों में जकड़ कर रखना चाहते हैं, उन्हें सजा मिलने का कानून हो। गांव देहात में अभी भी पति की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर विधवा को घर से निकालना, उसे प्रताडित और बहिष्कृत करना सामान्य बात समझी जाती है। जबकि उसकी ऊर्जा, क्षमता, बुद्धि, शिक्षा और कार्य कुशलता का उपयोग घरेलू काम–धंधों से लेकर खेतीबाड़ी तक में किया जा सकता है।

इसी तरह शहरों में उन्हें घर की चारदीवारी से निकलकर अपने लिए कुछ नया करने तथा आत्मनिर्भर होने का आधार दिया जा सकता है। बहुत बड़ा समाज है जहां स्त्रियों को पति की मृत्यु पर बेसहारा नहीं समझा जाता और उन्हें नफरत से न देखकर प्यार से रखा जाता है।

लेकिन यह सब अपवाद की श्रेणी में आते हैं। उस समाज का आकार चाहे छोटा हो लेकिन स्त्री को पैर की जूती या दहलीज की चौखट मानने की मानसिकता रखने वालों की कमी नहीं है। जहां तक कानून की ताकत की बात है तो जैसे ही रवि प्रताप सिंह रक्षा मंत्री के पास अपनी बहू के अधिकार छीन लिए जाने की बात लेकर गए थे, उन पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए थी और हिरासत में लिया जाना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो यह शहीद सैनिक का सम्मान होता और दकियानूसी सोच रखने वालों के मुंह पर तमाचा होता।

अकबर नगर की जमीन पर सीएम योगी ने रोपे पौध

लखनऊ (आभा)। लखनऊ में अकबरनगर की जमीन पर अब सौमित्र वन विकसित होगा यहां 10000 पौधे लगाए जा रहे हैं। कुकरैल नदी के तट पर वन मियावाकी पद्धति से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सौमित्र वन में हरिशंकरी का पौध लगाया। इसके पहले सीएम ने इन पौधों को रक्षासूत्र बांधा। इसी के साथ वृक्षारोपण जन अभियान शुरू हुआ। अभियान के दौरान प्रदेश में 36.50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सीएम ने सौमित्र वन के विकास की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा भी की।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर देशवासियों से 'एक पेड़ मां के नामश लगाने का आह्वान किया था। पर्यावरणविद् चिंतित हैं कि दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग जीव सृष्टि के लिए नया संकट खड़ा करने जा रहा है। यह संकट मनुष्य के स्वार्थ ने प्रदान किया है, इसलिए इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी मनुष्य पर ही होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संवैधानिक मुखिया के रूप में पीएम मोदी का यह आह्वान हर भारतवासी के लिए मंत्र बनना चाहिए। पांच जून के बाद से प्रदेश में लगातार पौधरोपण महाभियान के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का यह गौरव लगभग हर परिवार को प्राप्त होने जा रहा है। यूपी की कुल आबादी 25 करोड़ है, हम 36. 50 करोड़ पौधरोपण कर रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। ऐसे में यूपी में आज एक दिन के भीतर हर मातृशक्ति के नाम पर तीन पेड़ लगने जा रहे हैं। सुबह से अब तक लगभग 12 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं। हमें पौधों को लगाना, बचाना और इसके जरिए पर्यावरण को संरक्षित करना है। सीएम के नेतृत्व में शनिवार को प्रदेश में एक दिन में 36. 50 करोड़ पौधरोपण महाअभियान शुरू हुआ।

बीडीओ ने किया प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण, लगाये पौध

संवाददाता–बस्ती । शनिवार को खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर आलोक कुमार पंकज ने प्राथमिक विद्यालय अगई भगाड का बीटीएफ के तहत निरीक्षण करने के साथ ही बच्चों को पढाने के साथ ही पौधरोपण किया। उन्होने बेहतर शिक्षा पर जोर देते हुये प्रधानाध्यापक राजीव उपाध्याय को छात्रों की संख्या बढाने के लिये निर्देशित किया। उन्होने सुझाव दिया कि समय–समय पर छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण करा लिया जाय। उन्होने छात्रों से सवाल पूंछे और सही जबाब मिलने पर शाबासी दिया। ग्राम पंचायत अगई भगाड के सचिव ज्ञानेन्द्र मिश्रा और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहित सिंह व कोटेदार संजय सिंह को विद्यालय के प्रति लगाव रखने हेतु सुझाव दिये। इस दौरान शिक्षिका संध्या गुप्ता, शिक्षा मित्र कुसुम देवी, ऊषा सिंह आदि ने योगदान दिया। प्रधानाध्यापक राजीव उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया।

नगर पालिका बोर्ड की बैठक में बस्ती को वशिष्ठ नगर किये जाने का प्रस्ताव

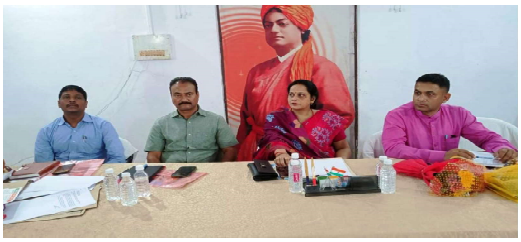

संवाददाता–बस्ती। शनिवार को नगर पालिका बोर्ड की बैठक नपा अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से गृहकर व जलकर में वर्तमान मॉग पर 10 प्रतिशत का छूट दिनॉक 01 अगस्त 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक दिया जाना प्रस्तावित किया गया।

नपा बोर्ड बैठक को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी वार्डो का कायाकल्प किया जाये जिससे आम जनमानस को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। नपा अध्यक्ष नेहा वर्मा ने कहा कि वार्ड के सभासदो की मॉग पर सभी वाडों के नालों व नालियों की साफ–सफाई के साथ ही विद्युत व्यवस्था को चरणबद्व तरीके से सही कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जेसीबी के द्वारा मुख्य नालों की सफाई करायी जा रही है । नगर पालिका के जमीनों पर किये गये अवैध कब्जे को चिन्हित कर उसे मुक्त कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ व सुन्दर बस्ती बनाने के लिए नगर पालिका प्रशासन कटिबद्व है। सभासद परमेश्वर शुक्ल उर्फ पप्पू व सभासद प्रफुल्ल श्रीवास्तव के द्वारा बस्ती जनपद का नाम बशिष्ठ नगर किये जाने का प्रस्ताव दिया गया जिसपर बोर्ड के मेम्बरों द्वारा स्वीकृति दी गई। अधिशाषी अधिकारी जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी विकास के कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराये जा रहें है। बैठक में कर निर्धारण अधिकारी उदयभान के साथ अवर अभियन्ता जल श्रीमती अर्चना, गिरीश सिंह, गणेश सिंह, प्रकाश निरीक्षक अमित शुक्ला, शुभम शेखर यादव के साथ सभासदगणों में मुख्य रूप से जगदीप श्रीवास्तव, मो0 इद्रीश, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ला उर्फ पप्पू, सोनू पाण्डेय, मो0 अय्यूब, गौतम यादव, रमेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, सर्वेश यादव, राजन कुमार, श्रीमती रोली, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती अमरावती देवी, श्रीमती इन्द्रावती देवी, श्रीमती विद्यावती देवी, श्रीमती ममता, रविन्द्र कुमार, निर्मला देवी, पंकज कुमार चौधरी, बैजंती सिंह, रूकसईया खातून, श्रीमती शाहजहॉ के साथ ही नपा के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में मंत्री ने रोपा पौध

संवाददाता–बस्ती । एक पेड़ मॉ के नाम अभियान का मुख्य कार्यक्रम जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्र बंजरिया में मुख्य अतिथि मंत्री पंचायतीराज ओम प्रकाश राजभर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मा. मंत्री ओम प्रकाश राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक महादेवा दूधराम, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. तथा जनप्रतिनिधिगण ने वैदिक मंत्रोचार व विधि विधानपूर्वक पौधरोपण किया। उन्होने पाली हाउस का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। उन्होने रामपूरन, सुभाष, सुरेमन, रामचरित्र, राजाराम को अपने हाथों से पौध दिया तथा सीमा देवी, अंजली सिंह, सरिता देवी, मनीषा देवी एवं गीता देवी को श्रीअन्न मिनीकिट दिया। इसके साथ ही वहॉ पर उपस्थित आम जनमानस को मुफ्त में पौधों का वितरण भी किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण के दृष्टिगत पेड़ बचाओं अभियान तथा एक पेड मा के नाम का पौध रोपित करें। इस अवसर पर उन्होने वहॉ उपस्थित सभी कृषकों को हार्दिक बधाई दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सौभाग्य है कि पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का हार्दिक अभिनन्द करता हूँ। एक पेड मॉ के नाम हर व्यक्ति को अवश्य लगाना हैं तथा पौध लगाने के साथ–साथ इसकी सुरक्षा विशेष रूप से करनी होंगी।

लगाये पौध दिया संदेश

संवाददाता–बस्ती। वृक्षारोपण महाअभियान– 2024 के अन्तर्गत परिवहन विभाग का वृक्षारोपण लक्ष्य 560 था, जिसके सापेक्ष बक्सर/महरीपुर गॉव में थीम पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के अन्तर्गत 450 पेड़ नजूल की जमीन पर सागौन, सहजन, आम, अमरूद, नीम लगाया गया। उक्त जानकारी देते हुए सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रविकान्त शुक्ल ने बताया कि वहॉ के ग्राम प्रधान मेहताब आलम, स्कूली छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों द्वारा उक्त अभियान में बढ चढ़ कर प्रतिभाग किया गया। साथ ही एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अन्तर्गत परिवहन कार्यालय के बाउन्ड्री वाल के पीछे छबिलहाखोर गॉव में ग्राम प्रधान एवं गॉव के निवासियों के सहयोग से परिवहन विभाग के समस्त कार्मिकों द्वारा 110 पेड़ लगाया गया, जिसमें सागौन, सहजन, आम, अमरूद, नीम, अशोक, पाम प्रमुख रहें।

सरदार सेना ने किया बाउन्ड्रीवाल से महापुरूषों का चित्र हटाने की मांग:बाबा साहब के चित्र पर पेशाब करने वाले पुलिसकर्मी पर कार्रवाई हो

संवाददाता–बस्ती । शनिवार को सरदार सेना के जिला उपाध्यक्ष शहजाद आलम के नेतृत्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि थाना पैकोलिया के बाउन्ड्रीवाल पर देश के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डा० भीमराव अम्बेडकर का चित्र बना हुआ है। स्लोगन पर साफ–साफ लिखा है। शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वही दहाडेगा। लेकिन देश के रक्षक व प्रशासन के महत्वपूर्ण अंग सिपाही की वर्दी मे संलग्न चित्र पर पेशाब करता हुआ दिखा। इस घटना से बहुजन समाज के लोग काफी आहत है। दोषी पुलिसकर्मी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही उसे सेवा मुक्त किया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि सरदार सेना विधानसभा अध्यक्ष हरैया अमरजीत चौधरी को 151 में इसलिए जेल भेज दिया गया क्योकि उन्होंने एक फेसबुक आई डी पर पोस्ट पढ़ा था कि हमारे जमीन पर पूर्व सांसद कब्जा करवाने का कार्य कर रहे है। इसी को लेकर के विधानसभा अध्यक्ष ने पोस्ट कर दिया। इस तरह का एक तरफा कार्यवाही सरदार सेना बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी कड़ी में बस्ती जनपद के बाउण्ड्रीवाल पर से महापुरूषो की फोटो हटाया जाने , महाराणा प्रताप तिराहे से जिलाधिकारी आवास के आगे तक सडके टूटी हुई है। उसे गड्ढा मुक्त किये जाने, विकास भवन लोहिया काम्प्लेक्स के अन्दर गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है एवं शौचालय न होने के कारण खुले मे लोग पेशाब करने का काम करते है यहां साफ सफाई की व्यवस्था कराने, कुआनों नदी पर लालगंज पुल के दोनों तरफ मजबूत जाली लगाये जाने, मूडघाट पुल के पास स्ट्रीट लाइट एवं जाली लगवाये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने वालों में सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, सुनील पटेल, शिवशंकर चौधरी 'शाका', राजकुमार पटेल, अजय यादव, अखिलेश प्रजापति, अशोक चौधरी, विवेक चौधरी, विजय पटेल, रामवृक्ष गौतम, अभिषेक मौर्य, सुनील राजभर, अनिल गौतम, आरिफ अंसारी आदि शामिल रहे।

सभासदों ने एम.एल.सी. सुभाष यदुवंशी को सौंपा मांग पत्र नगर पालिका को विकास के लिये धन दिलाने की मांग

संवाददाता–बस्ती। शनिवार को नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक के बाद सभासदों के प्रतिनिधि मण्डल ने वार्ड नं. 19 ओरीजोत के सभासद कृष्ण कुमार के नेतृत्व में विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश को मांग पत्र सौंपा।

कहा कि धन के अभाव में नगर पालिका परिषद के 25 वार्डो में आवश्कतानुरूप आवश्यक कार्य नहीं हो पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्तिग एवं शासन स्तर पर नगर पालिका परिषद बस्ती को वार्डो के विकास हेतु समुचित धनराशि उपलब्ध कराया जाय।

विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने सभासदों को आश्वासन दिया कि वे आपके सुझाव को सरकार और शासन तक पहुंचायेंगे। प्रयास होगा कि बस्ती नगर पालिका को समुचित ध नराशि आवंटित कराया जाय। मांग पत्र सौंपे जाने के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा के साथ ही सभासद वैजयन्ती सिंह, राजन ठाकुर, पंकज चौधरी, रमेश कुमार गुप्ता, रोली चौधरी, ममता सोनकर, जगदीप श्रीवास्तव, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सर्वेश यादव, गौतम यादव, मो अयूब, रुकुय्या खातून, अमरावती देवी, निर्मला देवी, सभासद प्रतिनिधि अरविन्द सोनकर, जीवन चौधरी लाला, महेन्द्र सोनकर, मो. आमिर, प्रमोद गुप्ता, उमेश प्रजापति, अभीजीत सिंह के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

यूनानी चिकित्सालय का बाबू 10 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को क्षेत्रीय एवं यूनानी कार्यालय के एक कनिष्ठ लिपिक को दस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले के अनुसार, सिद्धार्थनगर के लोटन बाजार निवासी अमित सिंह महराजगंज के राजकीय यूनानी चिकित्सालय पनियरा में वार्ड ब्वाय के रूप में कार्यरत हैं। एक मामले में उनके खिलाफ जांच चल रही है। इसी मामले की फाइल के निस्तारण के लिए कनिष्ठ लिपिक चित्रांश रंजन श्रीवास्तव, निवासी पादरी बाजार गोरखपुर ने अमित से दस हजार रुपये रिश्वत मांगी थी।

अमित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से कर दी। उसके बाद टीम ने चित्रांश को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल फैलाया।

उसने अमित को शुक्रवार को चुनिंदा नोटों के साथ चित्रांश के बुलाए गोरखपुर रोड स्थित जलनिगम कार्यालय के पास एक रेस्टोरेंट में भेजा। जैसे ही अमित से चित्रांश ने रुपये लिए एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगेहाथ दबोच लिया। गिरफ्तारी से रेस्टोरेंट में अफरातफरी मच गई। एंटी करप्शन टीम में निरीक्षक संदीप दीक्षित, प्रमोद शुक्ला, निसार सहित अन्य शामिल रहे। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ हरिद्र प्रसाद जैसवार ने बताया कि यह घूस लेने का मामला नही हैं। अमित ने चित्रांश से रुपये उधार लिए थे। चित्रांश वह रुपये वापस मांग रहा था। शुक्रवार को वही रुपये लेते वक्त एंटी करप्शन की टीम ने चित्रांश को गिरफ्तार कर लिया।

घाघरा के टापू में बाढ़ में फंसे 194 ग्रामीणों सुरक्षित निकाला गया

संवाददाता–बहराइच। नेपाल से पानी छोड़े जाने से अचानक बढ़े जलस्तर से शुक्रवार को देर शाम घाघरा के दूसरी ओर टापू पर खेती करने गए धर्मापुर के ग्रामीण बाढ़ के पानी में फंस गए। भारी संख्या में ग्रामीणों के फंसे होने की सूचना पर एसडीएम मौके पर पहुंचे। एसएसबी की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रात में ही 63 लोगों को बाहर लाया गया। शनिवार को भोर दोबारा रेस्क्यू शुरू कर 131 और लोगों के सुरक्षित लाया गया। इस दौरान डीएम मोनिका रानी व एसपी वृंदा शुक्ला पूरे अमले के साथ घाघरा के तट पर डटी रहीं।

मिहींपुरवा तहसील के ग्राम चलहवा के धर्मापुर गांव के लोगों की जमीन घाघरा नदी के दूसरी ओर है। शुक्रवार को सुबह करीब 200 ग्रामीण धान की रोपाई के लिए नदी पार खेत को गए हुए थे। शाम करीब छह बजे नेपाल से अचानक पानी छोड़ दिया गया। कैलाशपुरी बैराज के बाद पानी का दबाव ज्यादा होने पर छह गेट खोल दिए गए। इससे घाघरा का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। जिसके चलते टापू पर खेती करने गए लोग बाढ़ के पानी से घिर गए। फंसे हुए लोगों ने सुजौली के एसएचओ सौरभ सिंह को सूचना दी। एसडीएम संजय कुमार को सूचना मिलते ही वह तहसील प्रशासन, पुलिस व एसएसबी संग मौके पर पहुंचे। स्थानीय नावों व स्टीमर की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

रात करीब साढ़े दस बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन कर 63 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बहाव तेज व रात अधिक होने की वजह से रेस्क्यू रोका गया, लेकिन फंसे हुए लोगों से मोबाइल के जरिए संपर्क बनाए रखा गया। इसकी सूचना डीएम व एसपी को मिली। डीएम भोर चार बजे ही एसपी संग एनडीआरएफ की टीम के साथ धर्मापुर घाघरा के तट पर पहुंच गईं। एनडीआरएफ, एसएसबी व पीएससी की संयुक्त टीमों की ओर से शनिवार की सुबह चार बजे फिर रेस्क्यू शुरू किया गया। सात बजे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 131 और लोगों को बाहर लाया गया। इस तरह दो चरणों में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 194 लोगों को घाघरा के दूसरी ओर से सुरक्षित बाहर निकाल कर उनके घर पहुंचाया गया। घाघरा का जलस्तर बढ़ जाने से फंसे 194 लोगों में 63 महिलाएं शामिल रहीं, जो अपने खेती व दूसरे के खेतों में धान की रोपाई करने घाघरा पार गई हुई थीं। पानी की भयावहता को देखकर परेशान महिलाएं जब सुरक्षित बाहर पहुंचीं, तो उनके चेहरे पर खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सभी ने डीएम व एसपी की ओर से उठाए गए कदम की सराहना किया।

एसडीएम संजय कुमार की ओर से डीएम को नदी उस पार 200 लोगों के फंसे होने की सूचना दी गई। डीएम मोनिका रानी, एसपी वृंदा शुक्ला के साथ बिना देर किए भोर चार बजे ही एनडीआरएफ की टीम के साथ घाघरा नदी के कछार पर पहुंच गईं। दोनों अधिकारी तब तक मौके पर डटे रहे, जब तक सभी सुरक्षित बाहर नहीं निकल आए। सभी को घर पहुंचाने व रेस्क्यू खत्म करने के बाद दोनों आला अधिकारी वापस मुख्यालय लौटीं। दोनों अधिकारियों के मौके पर डटे रहने से तेजी से रेस्क्यू किया गया। घाघरा के पानी से घिरे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर लाकर चिकित्सकीय टीम की ओर से सभी का परीक्षण कराया गया।

परीक्षण के बाद डीएम ने प्रभावितों को दो बसों के माध्यम से उनके घर चहलवा गांव पहुंचाया। इस दौरान एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, पुलिस व सिंचाई विभाग के भी कर्मी मौके पर डटे रहे। मोनिका रानी, डीएम ने कहा कि घाघरा का जलस्तर बढ़ने से कृषि कार्य करने के गए 200 लोगों के फंस जाने की सूचना पर वह एसपी के साथ मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ, एसएसबी व पीएएसी के संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी को सुरक्षित निकालकर उनके घर तक पहुंचाया गया।

मुस्कान पुनर्वास केंद्र दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रहा है

संवाददाता–अयोध्या। प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के तत्वाधान में संचालित दिव्यांग बच्चों की संस्था मुस्कान पुनर्वास केंद्र आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उक्त विचार थे नवोदय विद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ राधा द्विवेदी के जो की समिति की मीटिंग में उपस्थित थी। उन्होंने यह भी कहा कि आज मुस्कान पुनर्वास केंद्र दिव्यांग मूक बधिर एवं मानसिक मन्दिबुद्धि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रहा है उन्हें स्वयं के पैरों पर खड़े होने का अवसर प्रदान कर रहा है। मीटिंग में उपस्थित लोगों को समिति की अध्यक्ष व मुस्कान पुनर्वास केंद्र की निदेशक डॉ रानी अवस्थी ने बताया कि हमारी संस्था से मूकबधिर बच्चे इंटर पास करके विभिन्न संस्थाओं में नौकरी कर रहे हैं जैसे लखनऊ ,कानपुर ,दिल्ली के पांच स्टार होटल में ,अमेजॉन में तथा बिग बॉस्केट आदि। इसके लिए हम इन्हें तीन माह अथवा 6 माह का प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं। उन्होंने ने बताया जिस प्रकार से बच्चा प्रशिक्षित हो सके, यही नहीं बच्चे बीए भी कर रहे हैं तथा इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, सिलाई, वेल्डिंग, कंप्यूटर आदि में आईटीआई भी करके जॉब कर रहे हैं जैसी बच्चों की एवं अभिभावक की इच्छा होती है। डॉ अवस्थी ने बताया कि हमारा उद्देश्य बस कोई बच्चा खाली ना रहे ना ही इधर–उधर घूमे। यही कारण है कि यहां से निकले हुए बच्चों की नौकरी शीघ्र ही लग जाती है और विवाह भी हो जाता है और उनका सामाजिक पुनर्वास हो जाता है। संस्था इस बात के लिए कटिबद्ध है। अभी इस बार भी काफी बच्चों की नौकरी लगी है जिसमें से 10 बच्चे केवल हाई स्कूल पास थे। इस प्रकार संस्था अब तक लगभग 15000 से अधिक दिव्यांगों को नौकरी या स्वयं का व्यवसाय करवा कर समाज में पुनर्वासित कर चुकी है और आगे भी करती रहेगी। संस्था के प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने कहा कि अभी भी जो मूक एवं बधिर बालक अथवा बालिकाएं हाई स्कूल या इंटर पास कर चुके हैं किंतु कहीं जॉब नहीं कर रहे हैं और जॉब करना चाहते हैं वह अपना सी वी बनाकर आधारकार्ड व मार्कशीट, सर्टिफिकेट की फोटो कॉपी तथा पासपोर्ट साइज फोटो लगाकर मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज पासी मंदिर के बगल कार्यालय में जमा कर दें उन्हें शीघ्र ही अवसर प्रदान किया जाएगा। उक्त अवसर पर सर्वेश अवस्थी, मनीष अवस्थी, निशा ,निशु, रुचि, संगीता, अनीता, रमेश आदि उपस्थित थे।

दूसरे गांव में ट्रांसफार्मर लगाने पर ग्रामीणों में आक्रोश, किया प्रदर्शन

संवाददाता–बलरामपुर। भुजेहरा गांव के नाम से आए 63 केबी ट्रांसफार्मर को गंजड़ी गांव में ले जाने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बिजली कर्मी व ठेकेदारों से बात की। ठेकेदार ने बताया कि भुजेहरा गांव के नाम पर यह ट्रांसफार्मर तो है लेकिन बदले में हमे 25 केबी का ट्रांसफार्मर चाहिए। इस पर ग्रामीणों व बिजली कर्मी के बीच कहा सुनी हो गई और भुजेहरा गांव में 63 केबी ट्रांसफार्मर न लगाने पर जमकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र महराजगंज तराई के बिजली कर्मी व ठेकेदार 63 केबी का ट्रांसफार्मर लेकर लैबुड़वा के गंजडी गांव में पहुंचे। भुजेहरा गांव के ग्रामीणों को पता चला कि भुजेहरा गांव के नाम पर आया बड़ा ट्रांसफार्मर पड़ोस के गांव गंजड़ी में लगाया जा रहा है, तो भारी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए और भुजेहरा में ट्रांसफार्मर लगवाने को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। कृष्ण दत्त द्विवेदी, पप्पू सोनी, ननकू मौर्य, प्रधान प्रतिनिधि गुलाबचंद, आनन्द मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, फकरूदीन, इरफान शाह, राजू, वजाहुद्दीन, मोहम्मद सगीर, अरूण कुमार द्विवेदी, अनिल कुमार, आलोक कुमार, राजकुमार सहित तमाम ग्रामीणों ने गंजड़ी में ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर विरोध जताया। कहा कि करीब दो वर्ष पूर्व गांव में सौभाग्य योजना के तहत बिजली आपूर्ति के लिए सुधार किया जा रहा था। उसी समय गांव में ग्रामीण कम क्षमता के ट्रांसफार्मर नहीं लगाने दे रहे थे। उस समय ठेकेदार ने ग्रामीणों को बताया था कि 25 केवीए का ट्रांसफार्मर मौजूद नहीं है, वर्कशॉप से बनकर आता है वैसे ही भेजकर लगवा दिया जाएगा। कुछ दिन बीतने के बाद जब गांव मे ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो ग्रामीणों ने 1912 जेई व जन प्रतिनिधि तथा ऑनलाइन शिकायत विभाग के पोर्टल पर पोर्टल पर ट्रांसफार्मर को बदलने की गुहार लगाई। विडंबना यह रही कि पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करने वाले लोगों के पास विभाग का यह मैसेज आया कि यहां ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है।

लेकिन मौके पर ट्रांसफार्मर का कोई अता पता नहीं है।

रामपुर गांव में हर घर क्लोरिन व ओआरएस का वितरण

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर में डायरिया संक्रमण से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैम्प लगाकर दवाएं वितरित कर रही है। एसीएमओ ने टीम के साथ गांव पहुंच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। एसीएमओ डा बीके श्रीवास्तव शनिवार को चिकित्सकों की टीम के साथ रामपुर गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार के घर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम की ओर से हर घर क्लोरिन व ओआरएस का वितरण किया गया। वहीं एसीएमओ ने केश हिस्ट्री जांच करने के साथ ही पानी का सैम्पल भी भराया और ग्रामीणों को स्वच्छ पानी पीने व स्वच्छ स्थान पर रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के ब्लाक समन्वयक चंद्र मणि शुक्ला की ओर से टीम लगाकर गांव में साफ सफाई कराई गई। साथ ही गंदगी व जलभराव के बीच ब्लीचिंग पाउडर व चूने का छिड़काव कराया। एसीएम के साथ सीएचसी अधीक्षक डा अश्वनी कुमार तिवारी, के साथ चिल्ड्रेन संस्था की टीम मौजूद रही।

प्रदेश ने 36.50 करोड़ पौधे रोपकर नया कीर्तिमान रच दिया -मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी अधिक गर्मी तो कभी अतिवृष्टि और कभी अचानक बाढ़ भविष्य के प्रति आगाह करने वाली तथा ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी है। इस चेतावनी को ध्यान में रखकर धरती मां को हरा–भरा बनाने का संकल्प लेकर उसे पूरा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सरकार ने व्यापक जनसहभागिता से प्रदेश एक दिन में 36.50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य हासिल कर नया कीर्तिमान रच दिया है। इस नए रिकॉर्ड के लिए सभी प्रदेशवासियों को बधाई है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम जन अभियान के तहत शनिवार शाम शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पारिजात का पौधा रोपने के बाद आयोजित कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष की गर्मी लंबे समय तक लोगों को याद रहेगी। आमतौर पर गोरखपुर और आसपास के जिलों में 42–43 डिग्री तापमान रहता था, लेकिन इस वर्ष तापमान 46–47 डिग्री तक पहुंच गया। अधिक गर्मी, भीषण लू, अतिवृष्टि, असमय बाढ़, कभी सूखा पड़ जाना ये सभी ग्लोबल वार्मिंग की तरफ ध्यान आकृष्ट करते हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में बाढ़ आई, जबकि पहले अधिकतम 15 सितंबर तक बाढ़ आती थी। कहा कि कभी जुलाई के प्रथम सप्ताह में बाढ़ नहीं आती थी। लेकिन इस वर्ष जुलाई के पहले सप्ताह में बाढ़ आई और प्रदेश के 24 जिले इससे प्रभावित हुए हैं। मौसम में यह बदलाव भविष्य के प्रति लोगों को आगाह करने वाला है। ऐसे में समय रहते इसे सही करना होगा नहीं तो प्रकृति अपने हिसाब से सुधार करेगी। प्रकृति की इस चेतावनी को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रदेश में जनता की सहभागिता से रिकॉर्ड पौधे रोपे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम का अनुसरण करते हुए प्रदेश में हर व्यक्ति, संस्था, विभाग इस पवित्र कार्य से जुड़े हैं। राज्य में एक व्यक्ति की तरफ से मां के नाम तीन–तीन पेड़ लगाए गए हैं। हर तरफ एक ही आह्वान नजर आया, पेड़ लगाना है, पेड़ बचाना है और पर्यावरण को बचाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले सात वर्ष में प्रदेश में 168 करोड़ पौधे रोपकर कीर्तिमान रचा गया है। इनमें से 75–80 प्रतिशत पेड़ सुरक्षित भी हैं। कहीं नक्षत्र वाटिका बनाई गई है तो कहीं नवग्रह वाटिका और हरिशंकरी वाटिका। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पौधों की कमी नहीं है। वन और उद्यान विभाग तथा निजी नर्सरियों के पास 50 करोड़ पौधे थे। इनमें से 36.50 करोड़ का इस्तेमाल शनिवार को अभियान में हुआ है और शेष पौधों का भी क्रमिक रोपण किया जाएगा। अब वैश्विक संस्थाएं भी प्रदेश में पौधरोपण को मान्यता दे रही हैं। कहा कि कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को क्षति हो रही है। बचाव के लिए किसानों ने पेड़ लगाने के साथ ही कार्बन क्रेडिट अभियान के साथ अपना पंजीकरण कराया। सरकार के प्रयास से प्रदेश के 25 हजार किसानों को कार्बन क्रेडिट के लिए 200 करोड़ का अनुदान मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 साल पहले लखनऊ में कुकरैल नदी का गोमती नदी में संगम होता था। 50 सालों में इसे पाटकर भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया। वहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या तक बस गए। कुकरैल नदी को उसका स्वरूप देने के लिए सरकार को बड़े पैमाने पर अभियान चलाना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ा। अब कुकरैल नदी को इको टूरिज्म के स्पॉट के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण जी के नाम पर सौमित्र वन बसाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के गोड़धोइया नाला परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इससे जलनिकासी की समस्या का समाधान होगा। नालों से अतिक्रमण हटेगा तभी शहरों में जलभराव को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि कभी भी गलत को प्रश्रय नहीं देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर के चिड़ियाघर को काकोरी कांड के नायकों में शामिल शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम पर है। यह चिड़ियाघर मनोरंजन और ज्ञानवर्धन का माध्यम है। यहां पौधरोपण कर पर्यावरण को वन्यजीवों के अनुकूल किया जा रहा है।

पौधरोपण कार्यक्रम में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि सीएम योगी हमेशा जीव, जीवन और पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। पर्यावरण और धरा को सुरक्षित करने के लिए उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश हर वर्ष पौधरोपण का नया कीर्तिमान बना रहा है।

स्वागत संबोधन मुख्य वन संरक्षक भीमसेन ने किया। इस अवसर पर विधायक विपिन सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य वन संरक्षक तथा प्रभागीय वन अधिकारी एवं चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव ने मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों को पौधे भेंट किए।

रामलला के पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू, सफेद धोती व पीली चौबंदी में नजर आएंगे पुजारी

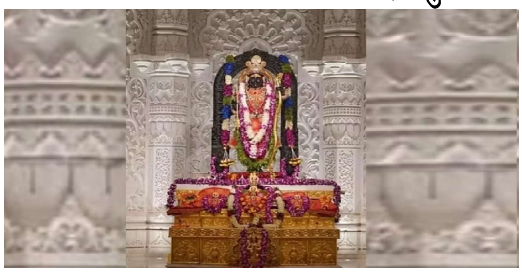

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की पूजा–अर्चना करने वाले पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। राममंदिर के पुजारी अब सफेद धोती व पीली चौबंदी में नजर आएंगे। ट्रस्ट की ओर से जल्द ही सभी पुजारियों को ड्रेस उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही रामलला की पूजा–अर्चना करने वाले सभी 25 पुजारियों को राममंदिर ट्रस्ट की ओर से की–पैड फोन दिया गया है। पुजारी राममंदिर में अब केवल की–पैड वाले फोन का ही इस्तेमाल कर सकेंगे, एंड्रॉएड फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। शुक्रवार को राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने नए पुजारियों के साथ बैठक कर उन्हें राममंदिर की आचार संहिताओं से परिचित कराया। इसी क्रम में ड्रेस कोड भी लागू कर दिया गया है। ट्रस्ट की ओर से पुजारियों को तीन सेट गर्मी के लिए व तीन सेट ठंडी के लिए ड्रेस उपलब्ध कराई जाएगी। राममंदिर में पुजारियों के लिए एंड्रॉएड फोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। ट्रस्ट ने पुजारियों को की–पैड वाले फोन दे दिये हैं। पुजारी राममंदिर में इसी फोन का इस्तेमाल बात करने के लिए करेंगे। जबकि उनके एंड्रायड फोन को मंदिर में बने लॉकर रूम में जमा करा दिया जाएगा।

मंदिर में फोटोग्राफी, वीडियो बनाने की सख्त मनाही है। राममंदिर के पुजारी प्रेमचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। ड्रेस ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। सभी पुजारियों को की–पैड वाले फोन भी प्रदान किए गए हैं।

राममंदिर में पूजा–सेवा करने के लिए निर्धारित किए गए रोस्टर से भी पुजारियों को अवगत करा दिया गया है। सभी पुजारियों को जारी किए गए रोस्टर की एक–एक प्रति उपलब्ध करा दी गई है। नए पुजारी पुराने पुजारियों के साथ रोस्टर के अनुसार ही पूजा–पाठ करेंगे। जो पुजारी गर्भगृह में लगाए गए हैं उनकी ड्यूटी आठ से 10 घंटे की होगी। जबकि कुबेर टीला, यज्ञ मंडपम, अस्थायी मंदिर में विराजमान हनुमान जी की पूजा–अर्चना के लिए रोस्टर अलग होगा। यहां चार से छह घंटे के लिए पुजारियों को लगाया जाएगा। यह व्यवस्था 22 जुलाई से प्रभावी होगी। संघ के शीर्ष प्रचारक भैया जी जोशी बृहस्पतिवार की देर शाम अयोध्या पहुंचे। उनके साथ उनके परिजन भी अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने शुक्रवार की सुबह रामलला के दरबार में हाजिरी भी लगाई। दर्शन–पूजन कर मंदिर निर्माण के लिए चल रहे कार्यों को भी देखा। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सहित अन्य ट्रस्टियों के साथ बैठक कर मंदिर निर्माण कार्यों की प्रगति भी जानी। चंपत राय ने उन्हें बताया कि निर्धारित समय सीमा के हिसाब से ही मंदिर निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

बारिश ने फिर बढ़ाई किसानों में बाढ़ की चिंता

संवाददाता–महराजगंज। एक सप्ताह तक बंद बारिश के बाद गुरुवार की शाम हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों की चिंता फिर से बढ़ा दी है। किसानों को डर है कि अधिक बारिश हुई तो फिर से उनकी धान की फसल पानी में डूब जाएगी। इससे बची फसल भी सड़ जाएगी। जिले में करीब तीन लाख हेक्टेयर में धान की रोपाई की गई है। इसमें कई हजार एकड़ खेत नदियों व नालों के किनारे है। बीते दिनों नेपाल व जिले में हुई बारिश के बाद नदियां और नाले उफान पर आ गए थे। करीब सभी नदियां खतरे के तल से ऊपर बहने लगी थी। नदी किनारे खेतों में कई दिनों तक पानी लग गया था। जिससे फसलें सड़ने लगी थी। इधर एक सप्ताह तक बारिश नहीं होने से पानी कम होने लगा था। किसानों अपने धान की फसल में खाद डालकर बचाने का प्रयास कर रहे थे।

लेकिन गुरुवार की शाम करीब तीन घंट से अधिक समय तक हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का डर सता रहा है कि अधिक बारिश हुई तो उनकी फसल फिर से पानी में डूबकर नष्ट हो जाएगी। इस सीजन में बुधवार तक जिले में 400 एमएम बारिश हो चुकी थी। लेकिन गुरूवार की शाम को हुई बारिश के बाद जिले में 470एमएएम बारिश दर्ज किया गया। शुरुआत में ही रिकार्ड बारिश से अनुमान लगाया जा रहा है कि आगे चलकर सूखा आ सकता है। शुक्रवार की शाम करीब चार बजे गंडक बैराज बाल्मिकी नगर से एक लाख 58 हजार 900 क्यूसेक पानी छोड़ गया।

आंख में मिर्ची डाली, सिर पर लोहे की रॉड से किया हमला– संचालक से लूट ले गए 2.50 लाख रुपये

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढनी कस्बे लोहियानगर में शुक्रवार रात लगभग 11:30 बजे ग्राहक सेवा केंद्र व किराने की दुकान करने वाले व्यापारी संग बदमाशों ने लूटपाट कर ली। घर जाते समय रास्ते में बदमाशों ने घेरकर व्यापारी की आंख में मिर्ची पाउडर डालकर व उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर ढाई लाख लूट लिए। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढनी कस्बे लोहियानगर में शुक्रवार रात लगभग 11:30 बजे ग्राहक सेवा केंद्र व किराने की दुकान करने वाले व्यापारी संग बदमाशों ने लूटपाट कर ली। घर जाते समय रास्ते में बदमाशों ने घेरकर व्यापारी की आंख में मिर्ची पाउडर डालकर व उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर ढाई लाख लूट लिए। सूचना पर पहुंची पुलिस व मुहल्ले वासियों ने घायल व्यापारी को इलाज के लिए बढनी पीएचसी पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, बढनी नगर पंचायत के लोहिया नगर निवासी राज हंस बढनी एसएसबी कैंप के सामने ग्राहक सेवा केंद्र व साथ में किराने की दुकान भी चलता है। रोज की तरह वह दुकान देर रात दुकान बंद कर घर आता और सुबह नौ बजे दुकान खोलने जाता था। पीड़ित के मुताबिक, शुक्रवार रात लगभग साढ़े 11 के बाद दुकान बंद कर घर आ रहा था। जैसे ही रेलवे फाटक पार कर लोहिया नगर के अपने घर जाने वाले के गली में गया, तभी घात लगाए हुए कुछ बदमाशों ने उसे घेर लिया।

पहले आंख में मिर्ची का पाउडर डाल दिया और फिर लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। व्यापारी राज हंस जख्मी होकर सड़क पर गिर गया। इस दौरान बदमाशों ने व्यापारी के बैग में रखे ढाई लाख रुपये लूट लिए और फरार हो गया। घायल अवस्था में राज हंस ने वारदात की जानकारी परिजनों को दी। उसके बाद परिजन पुलिस को जानकारी दी। ढेबरुआ थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि व्यापारी के साथ हुए वारदात की जांच पुलिस टीम कर रही है। पीड़ित की तरफ से दिए गए तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सांसद से की नगर में ऑगनबाड़ी केन्द्र के स्थापना की मांग

संवाददाता–बलरामपुर। चेयरमैन प्रतिनिधि अनूप गुप्ता ने गोंडा सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन कीर्तिवर्धन सिंह से उनके आवास मनकापुर में मुलाकात की। उन्होंने नगर की जनसंख्या के अनुसार उतरौला में आंगनबाड़ी केंद्र सृजन कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने सांसद को राज्यमंत्री बनाए जाने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। अनूप गुप्ता ने राज्यमंत्री को बताया है कि नगर पालिका परिषद उतरौला मंडल की सबसे पुरानी और बड़ी तहसील है। नगर पालिका परिषद उतरौला में 25 वार्ड है। नगर क्षेत्र की जनसंख्या लगभग 45 हजार है। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में आँगनवाड़ी केन्द्र की स्थापना न होने से सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के लाभ से नगर पालिका परिषद क्षेत्र की जनता वंचित है। नगर क्षेत्र में आँगनवाडी केन्द्र की स्थापना के लिए बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग से कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन विभाग की ओर से आज तक नगर क्षेत्र उतरौला में आँगनबाडी केन्द्र की स्थापना को लेकर कोई कार्यवाही नहीं की गयी। जिससे नगर की जनता सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं लाभ से वंचित है।

अखिलेश यादव का मानसून आफर 100 विधायक लाओ, सरकार बनाओ

लखनऊ (आभा)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर की गई एक पोस्ट ने हलचल मचा दी है। उन्होंने ऑफर दिया है कि 100 विधायक लेकर आओ. .. मुख्यमंत्री बनने के लिए सपा समर्थन देगी।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, अगर भाजपा में कोई भी नेता 100 विधायकों का समर्थन जुटा लेता है तो सपा मुख्यमंत्री पद के लिए उसे समर्थन दे सकती है। इसे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है।

इसके साथ ही तरह–तरह की राजनीतिक चर्चाओं के बीच दिल्ली से केशव के लखनऊ लौटने पर अखिलेश ने कटाक्ष भी किया है– लौट के बुद्धू घर को आए।

यहां बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य ने भी बुधवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर एक्स के जरिये हमला बोलते हुए उन्हें सपा बहादुर की संज्ञा देते हुए कहा था कि यूपी और केंद्र दोनों ही जगह मजबूत सरकार है। 2017 की तरह 2027 में भी हम यूपी में सरकार बनाएंगे। उन्होंने सपा के पीडीए को धोखा करार दिया था।

नीट परीक्षा परिणाम बेवसाइट पर अपलोड करने का आदेश

नई दिल्ली (आभा)। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरूवार को फिर नीट–यूजी परीक्षा में पेपर लीक और अन्य धांधली समेत परीक्षा रद्द कराने की मांग से जुड़ी याचिकाओं पर एकसाथ सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने एनटीए को हरेक केंद्र का अलग–अलग परीक्षा परिणाम बेवसाइट पर अपलोड करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शनिवार की दोपहर 12 बजे तक एनटीए केंद्रवार पूरा परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर अपलोड करे।

सुनवाई के दौरान कोर्ट में गर्मागरम बहस हुई। इस दौरान चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने इस बात पर अचरज जताया कि 45 मिनट के अंदर 180 सवाल कैसे हल किए गए। दरअसल, वह जानना चाहते थे कि पेपर लीक परीक्षा शुरू होने से कितनी देर पहले हुआ था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ यह जानने की कोशिश कर रही है कि पेपर लीक कब हुआ? और पेपर लीक और परीक्षा शुरू होने के बीच के गैप में क्या पेपर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सर्कुलेट तो नहीं हुआ। कोर्ट अब 22 जुलाई को नीट–यूजी 2024 विवाद से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा।

गोण्डा ट्रेन हादसे में साजिश.? चंडीगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से पहले लोको पायलट ने सुनी थी धमाके की आवाज

गोण्डा (आभा)। गोंडा में चंडीगढ़ डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के हादसे के पीछे साजिश की आशंका भी सामने आ रही है। ट्रेन के लोको पायलट के अनुसार हादसे से ठीक पहले उसने धमाके की आवाज सुनी थी। लोको पायलट की सूचना के बाद रेलवे प्रशासन ने कई एंगल पर जांच शुरू कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज सिंह के अनुसार सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) की जांच कराई जाएगी। हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सीएम योगी ने मामले का संज्ञान लिया है।

गोंडा–गोरखपुर रेलमार्ग पर मोतीगंज के रामपुर गांव के पास दोपहर करीब तीन बजे चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की कई बोगियां पटरी से उतर गईं। इनमें पांच बोगियां पलट गई थीं। रेलवे व पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को लखनऊ भेजा गया है। डीएम नेहा शर्मा भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने चार लोगों की मौत की बात कही थी। हालांकि अन्य अफसर दो लोगों की मौत की बात कह रहे हैं। कई यात्रियों को डिब्बों से शीशे तोड़कर बाहर निकाला गया है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख की बढ़ी हुई अनुग्रह राशि, गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख, और साधारण रूप से घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। हादसे के चलते कटिहार–अमृतसर एक्सप्रेस, आम्रपाली एक्सप्रेस, जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस और गुवाहाटी–श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस समेत 10 रेलगाड़ियों को मार्ग बदलकर संचालित किया जा रहा है।

रामनगर खण्ड विकास अधिकारी ने संभाला कार्यभारः कर्मचारियों ने किया स्वागत

संवाददाता–बस्ती । गुरूवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रान्तीय उपाध्याय राजेश कुमार के संयोजन में रामनगर के नवागत खण्ड विकास अधिकारी गणेश शुक्ल का बुके देकर स्वागत किया गया। इसके साथ ही उन्हें विकास खण्ड के कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया गया। गणेश शुक्ल ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि आपसी समन्वय से स्थानीय समस्याओं का हल निकाला जाय।

स्वागत करने वालों में एडीओ पंचायत शिवकुमार लाल, ग्राम विकास अधिकारी आदर्श कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी विजय कुमार चौधरी, प्रमोद कुमार, जयन्त प्रसाद, रामतीरथ, लवकुश, हरीराम, रामकिशुन, राजकुमार, धर्मराज, त्रिभुवन प्रसाद, तुलसीराम, दिनेश कुमार आदि शामिल रहे।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग के भूमि मुआवजा की विसंगति दूर करने की मांग :भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–बस्ती। गुरूवार को भारतीय जनता पार्टी नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने गुरूवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के अन्तर्गत आने वाले गांव के अधिग्रहित की जाने वाली जमीनों के मुआवजा विसंगति को दूर किया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण हेतु अधिग्रहीत की जाने वाली जमीनों के मुआवजा राशि में काफी विसंगतियां है जिसको लेकर समय समय पर ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराते हुए विसंगतियों को दूर कर मुआवजा राशि में सुधार करने की मांग किया। आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई इसी क्रम में ग्राम गर्भूपुर, पोस्ट विशेषरगंज, तहसील हर्रैया,जनपद बस्ती के भी किसानों ने 03/03/2024 व 07/07/2024 को विशेष भूमि अधियाप्ति अधिकारी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि उक्त मार्ग पर उनके गांव के पहले व बाद में आने वाले गांव कुकुरीपुर व पूरेझरिहर में सड़क के किनारे के जमीन का मुवावजा 54 लाख हेक्टेयर व उसके बाद की जमीनों का मुवावजा 34 लाख हेक्टेयर निर्धारित है जबकि गर्भूपुर के सभी जमीनों का मुवावजा 34 लाख हेक्टेयर ही रखा गया है जो विभेद पूर्ण कृत्य है। इतना ही नहीं उन जमीनों में आने वाले मकानों व वृक्षों का भी मालियत नहीं दिया जा रहा है। वर्तमान में केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार बिना किसी भेद के सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य पर काम कर रही है किन्तु कुछ अधिकारियों कर्मचारियों के इस विभेद पूर्ण कृत्य व कार्य शिथिलता से सरकार की छबि धूमिल होती है और जनता को न्याय के लिये दर दर भटकना पड़ता है।

सुदामा पाण्डेय ने मांग किया कि सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए तत्काल मुवावजा निर्धारण में बरती जा रही अनियमितता को दूर कराते हुए गर्भूपुर के किसानों को न्याय दिलाया जाय और उक्त जमीन में बने मकानों व लगे वृक्षों का भी प्रतिपूर्ति दिलाया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में हनुमत प्रसाद पाठक, सूबेदार, बब्लू, बजरंग प्रसाद पाठक, अर्जुन, श्यामू, रामू, शिवकुमार, श्रीराम, अखिलेश भारती, छोटेलाल, झिनकान, नोहार, ओम प्रकाश, पारसनाथ, उमेश कुमार, विजय कुमार, आनन्द राज, राहुल, रामकुमार, अर्जुन, संतराम, रामू, शिवा, श्यामू, करन, उमेश भारती, ममता भारती के साथ ही अनेक लोग शामिल रहे।

मोहित अपहरण कांड के आरोपी ने कही आत्मसमर्पण की बात

संवाददाता–बस्ती। मोहित यादव अपहरण कांड के आरोपी सत्यम कसौधन ने आत्मसमर्पण की बात कही है। 18 जुलाई 2024 को फेसबुक पर अपनी पोस्ट डालते हुए सत्यम कसौधन ने कहा कि मैं बस्ती जिले में सरेंडर करने जा रहा हूं। साथ ही आप सब को बताना है कि मोहित अपहरण कांड में मेरा कोई रोल नहीं है। मुझे सिर्फ मोहरा बनाया जा रहा है। मैंने कुछ नहीं किया है। मैं निर्दोष हूं। मेरा कोई मामला नहीं था। मैं तो बस अपना वीडियो डिलीट कराने गया था। मुझे नहीं पता कि इतनी बड़ी साजिश हो जाएगी। घटना के समय मैं अपने घर पर था। जिसका प्रमाण मेरे घर में लगा सीसीटीवी कैमरा है। जब मैं घटना स्थल पर पहुंचा तो देखा कि मोहित ठीक था। उसे घर छोड़ने के लिए एक काले रंग की सफरी में बैठाकर ले जाने लगे। तभी घटना स्थल से जैसे मैं आने लगा तो पता चला कि कोतवाली में मामला हो गया है। जिसे सुनते ही मैं सहम गया और फरार हो गया। 'हिन्दुस्तान सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

बताते चलें कि शहर के पिकौरा दत्तराय मोहल्ले से 12 जुलाई मोहित यादव निवासी सुकरौली, थाना लालगंज को पिटाई कर घर से अपहृत कर लिया गया था। पुलिस ने मकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने अभी तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मोहित की हत्या कर शव कुआनो नदी में डाल दिया गया है।

अभी तीन और आरोपी फरार बताए जा रहे हैं, जिसके एक सत्यम कसौधन भी है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि मोहित यादव सत्यम कसौधन का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था और कई बार रुपये लिया था। आरोपी सत्यम फरार चल रहा था। अब फेसबुक पर 18 जुलाई को उसने आत्मसमर्पण की पोस्ट डाला है। इस बाबत एएसपी ओपी सिंह ने कहा कि फेसबुक पर पोस्ट और आरोपी के आत्मसमर्पण की मुझे कोई जानकारी नहीं हैं।

भारतविकास परिषद एक सांस्कृतिक आंदोलन

संवाददाता–बस्ती। भारत विकास परिषद वशिष्ठ शाखा के स्थापना दिवस समारोह गोरक्ष प्रांत के प्रथम विकास रन का सम्मान समारोह और नए सदस्यों के परिचय सत्र कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉक्टर पीएन सिंह उपाध्यक्ष पर्यावरण प्रांत डॉ डीके गुप्ता अध्यक्ष वशिष्ठ का आशीष श्रीवास्तव सचिव डॉक्टर कृष्ण कुमार कोषाध्यक्ष प्रमोद तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत मंच आपूर्ति के बाद वंदे मातरम से हुई भारत माता और विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन अतिथियों द्वारा किया गया सत्या द्वारा दीप मंत्र पढ़ा गया मंच का संचालन सचिव डॉ कृष्ण कुमार द्वारा किया गया ।

शाखा के अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने कहा भारत विकास परिषद एक सेवा एवं संस्कार–उन्मुख अराजनैतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक स्वयंसेवी संस्था है जो स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपनाते हुए मानव–जीवन के सभी क्षेत्रों जैसे संस्कृति, समाज, शिक्षा, नीति, अध्यात्म, राष्ट्रप्रेम आदि में भारत के सर्वांगीण विकास के लिये समर्पित है। इसका लक्ष्यवाक्य है स्वस्थ समर्थ, संस्कृत भारत है मुख्य अतिथि डॉ पीएन सिंह ने अपने संबोधन में कहा स्वामी विवेकानन्द के जन्मशताब्दी के अवसर पर १२ जनवरी सन् १९६३ कों भारत के प्रमुख उद्योगपतियों एवं समाज–सुधारकों जैसे– लाला हंसराज, डॉ सूरज प्रकाश आदि द्वारा नागरिक समिति की स्थापना की गयी थी ताकि चीनी आक्रमण का प्रतिकार किया जा सके। बाद में इसी का नाम भारत विकास परिषद रखा गया।

गोरक्ष प्रांत के प्रथम विकास रतन डॉक्टर डीके गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा हम सभी सम्मिलित रूप से समग्र प्रयास करेंगे और विवेकानंद जी की दिव्य दृष्टि हमें अवलोकित कर रही है और हम संकल्पित होते हुए भारत विकास परिषद के उद्देश्यों की पूर्ति करेंगे ।

सचिव डॉक्टर कृष्ण कुमार ने मंच संचालन के साथ–साथ अपने संबोधन में कहा संस्कार योजना के द्वारा बच्चों, युवाओं, परिवार, वरिष्ठ नागरिक के लिए विकास कार्यक्रम चलाती है। जिसमे प्रमुख है– बाल संस्कार शिविर, राष्ट्रीय संस्कृत गीत प्रतियोगिता, भारत को जानो, युवा संस्कार शिविर, परिवार संस्कार शिविर, आदि. कोषाध्यक्ष प्रमोद तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कार्यक्रम शेड्यूल के अनुसार कार्यक्रम आयोजित कराए जाएंगे और हम सभी मिलकर अंतर लाने वाले कार्यों को सृजित करेंगे।

भारत विकास परिषद एक संस्था है जो संपर्क से अभिसिंचित है महिला संयोजिका डॉ शिवा त्रिपाठी ने काव्य पाठ कर आए हुए सभी सदस्यों में ऊर्जा भरने का कार्य किया प्रस्तुत की गई काव्य रचना से राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव जाग गया शास्त्रीय नृत्य का प्रस्तुतीकरण ममता पांडे द्वारा किया गया जिन्हें डॉ निधि गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में अर्चना श्रीवास्तव द्वारा काव्य पाठ प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा काव्य पाठ और शिव त्रिपाठी द्वारा काव्य पाठ प्रस्तुत किया गया आज के इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों को मोमेंटो देकर स्वागत किया गया ।

कार्यक्रम में राकेश पांडे कुलदीप सिंह, उमंग शुक्ला, नीरज, सर्वेष्ट मिश्रा, जितेंद्र यादव, मनमोहन श्रीवास्तव, डॉ एसके त्रिपाठी, मयंक श्रीवास्तव, विमल आनंद राजकांत, दिनेश श्रीवास्तव मास्टर साहब, अजय श्रीवास्तव, मनोज यादव, रामकमल सिंह, श्री लखमानी, लक्ष्मी अरोड़ा, प्रतिमा श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद पांडे, अर्चना श्रीवास्तव, स्वप्निल श्रीवास्तव सैयम अरोड़ा, जयप्रकाश श्रीवास्तव, राजीव सिंह, रामकुमार वर्मा, संध्या दिक्षीत, सत्या पांडे, कृष्ण कुमार भारती, सचिन शुक्ला, हर्षित श्रीवास्तव, बैजनाथ गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

डीपीओ, सीडीपीओ संग ड्यूटी से लापता तीन सेविकाओं का वेतन रोका

संवाददाता–बहराइच। सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों की मौजूदगी व संग सेवाओं के क्रियान्वयन की हकीकत परखने के लिए गुरुवार को डीएम ने रिसिया के तीन विभागों के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। बिना सूचना के ड्यूटी से लापता तीन मुख्य सेविकाओं के चक्कर में डीपीओ व सीडीपीओ का भी वेतन रोका गया है। पशु चिकित्सालय व सीएचसी में बेतरतीब व्यवस्था पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए सुधार की चेतावनी भी दी है। कहा कि दोबारा कार्यालयों की ऐसी दशा मिले तो सीधे कार्रवाई होगी।

डीएम मोनिका रानी राजकीय पशु चिकित्सालय का निरीक्षण किया। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ललित से ओपीडी में आने वाले पशुपालकों व उपचारित पशुओं की संख्या की जानकारी पूछी। कहा कि ओपीडी पंजिका में पशुपालक व उपचारित पशु का विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। चिकित्सक ने बताया कि अब तक 07 ग्राम पंचायतों का संतृप्त किया जा चुका है। औषधि कक्ष के निरीक्षण के दौरान औषधि वितरण पंजिका प्रस्तुत न किए जाने पर डीएम ने कड़ी नराजगी जताई। कहा कि पशु चिकित्सालय से सम्बन्धित समस्त पंजिकाओं को डे–बाई–डे अपडेट करने की हिदायत दी। बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सीडीपीओ अनूप कुमार, मुख्य सेविका मंजू वर्मा, मोनिका झिंगरन व मीनाक्षी गुप्ता अनुपस्थित मिली। मौके पर मौजूद कनिष्ठ सहायक सरोज कुमार ने बताया कि सभी कार्मिक क्षेत्र में हैं। डीएम द्वारा भ्रमण पंजिका मांगे जाने पर कनिष्ठ सहायक द्वारा भ्रमण पंजिका प्रस्तुत नहीं की जा सकी। कार्यालय में उपलब्ध कुर्सी की बुनाई टूटी होने, कार्यालय भवन व स्टोर में प्लास्टर टूटा–फूटा पाये जाने पर डीएम भड़क गईं। डीपीओ सहित सभी अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए। कहा कि कोई भी कर्मचारी उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर बनाने व भ्रमण पंजिका में विवरण दर्ज करने के पश्चात ही कार्यालय छोड़ेंगे।

सीएचसी रिसिया के पंजीकरण काउण्टर के निरीक्षण के दौरान वार्ड ब्वॉय साकेत निगम ने बताया सवा एक बजे तक 235 मरीजों का पंजीकरण किया गया है। अधीक्षक डॉ. प्रत्यूष सिंह ने बताया कि प्रतिदिन औसत 350 मरीज चिकित्सालय आते हैं। लैब के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सीएचसी को मल्टीपर्पज जांच के लिए सेलेक्ट्रा–प्रो मशीन उपलब्ध हो गई है। डीएम ने निर्देश दिया कि तत्काल मशीन को क्रियाशील कर मरीजों की जांच की जाय। क्षय रोग जांच पंजिका के निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन ने बताया कि 36 लोगों की जांच की गई है। चिकित्सालय भवन, वार्डों व परिसर की साफ–सफाई बेहतर करने के निर्देश दिए।

बाप कबाडी, मां ने जेवर बेचें तो बेटा बन गया भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक

संवाददाता–बस्ती। घोर गरीबी के बीच संतकबीर नगर जनपद के सेमरियावां विकास खण्ड के करमा खान निवासी दिनेश चन्द्र गौतम का चयन भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) में वैज्ञानिक पद पर हुआ है। भीम आर्मी बस्ती के पूर्व मण्डल महासचिव मूल चन्द आजाद और भीम पाठशाला समिति के अध्यक्ष रामशंकर आजाद और राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने दिनेश चन्द्र गौतम के घर पहुंचकर फूल मालाओं के साथ स्वागत कर हौसला बढाया।

भीम आर्मी बस्ती के पूर्व मण्डल महासचिव मूल चन्द आजाद ने यहां जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि दिनेश चन्द्र गौतम के पिता रजई कबाडी का काम करते थे और मां, भाई मजदूरी कर घर चलाते थे। अपनी कड़ी मेहनत और लगन के बल पर उसने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर से बीटेक किया और अपने घर से ही तैयारी करने के साथ–साथ इच्छुक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा भी देता रहा। दिनेश चन्द्र गौतम के सपनों को पूरा करने के लिये मां और भाभी ने अपना जेवर तक बेच दिया।

दिनेश चन्द्र गौतम की सफलता से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। उसकी सफलता पर एडवोकेट विक्रम गौतम, मंगल सिंह राव, वृजभान बौद्ध, रामाज्ञा चौधरी, प्रवीन राना, सुगन्ध बौद्ध, राकेश कुमर, सुशील बाबा, सुनील चौधारी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

एआरटीओ कार्यालय में डीएम का छापा, तीन दलालों को दबोचा

संवाददाता–बलरामपुर। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने गुरुवार को एआरटीओ कार्यालय पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पूरे कार्यालय में हड़कंप मच गया। सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय में पहुंचते ही डीएम ने मुख्य गेट पर ताला लगवा दिया। यहां मिले तीन दलालों को डीएम ने पुलिस के हवाले कर दिया। डीएम ने कहा कि एआरटीओ कार्यालय में दलालों का वर्चस्व नहीं चलेगा। इसके लिए सम्बन्धित अधिकारी व कर्मी सचेत रहें, अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कई अन्य पटलों का निरीक्षण किया।

बलरामपुर एआरटीओ दफ्तर दलालों का अड्डा बन चुका है। ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर कोई भी कागजात बनवाने के लिए जब तक आप दलाल से सम्पर्क नहीं करेंगे आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी। इसकी शिकायत डीएम पवन अग्रवाल को मिली थी। इसी बात को लेकर उन्होंने गुरुवार को एआरटीओ कार्यालय में छापेमारी की। डीएम वहां पहुंचकर एआरटीओ कार्यालय के मुख्य गेट को बंद करवा दिया। उन्होंने पूरे परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कई संदिग्ध लोग वहां पाए गए। यह संदिग्ध लोग वहां पर दलाली करने वाले लोग थे। जो ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर वाहनों से सम्बन्धित अन्य कार्यों में विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों से मिली भगत से मोटी रकम लेकर उनका काम कराते थे। ऐसे एआरटीओ दफ्तर के तीन दलाल अंकित तिवारी, संतोष कुमार गुप्ता व अनवर को पकड़कर डीएम ने पुलिस के हवाले कर दिया। डीएम ने कहा कि एआरटीओ दफ्तर आने वाले लोगों को दलालों का सहारा क्यों लेना पड़ रहा है। इससे यह प्रतीत होता है कि सम्बन्धित अधिकारियों व कर्मियों की मिलीभगत है। उन्होंने सख्त निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति को दलालों का सहारा न लेना पड़े। ऐसी व्यवस्थाएं परिवहन निगम के अधिकारी बनाएं। जिन दलालों को डीएम ने पुलिस के हवाले किया है, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रदीप कुमार, एसडीएम सदर राजेन्द्र बहादुर, एआरटीओ व सीओसीटी सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

एआरटीओ दफ्तर में जो दलाली लम्बे समय से चल रही थी, उससे अब शायद जिलाधिकारी की सख्ती के कारण लोगों को राहत मिल सकेगी। एआरटीओ दफ्तार आए लोगों ने कहा कि कम से कम डीएम ने इस बात का संज्ञान लिया है। उन लोगों का यह भी कहना था कि इसकी लगातार निगरानी कराई जाए, जिससे वाहन चालक व उनके स्वामियों का शोषण न हो सके। लोगों ने बताया कि यहां तैनात बाबू बगैर पैसे के कोई बात नहीं करते हैं। दलालों के माध्यम से काम आसान हो जाता है। इसलिए लोग मजबूरीवश दलालों का सहयोग लेते हैं।

डीएम ने किया आरटीओ कार्यालय का निरीक्षण

संवाददाता–बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने आरटीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी स्टाफ उपस्थित पाये गये। उन्होने निर्देश दिया कि यदि को अधिकारी व कर्मचारी किसी कार्य से बाहर जाते है तो भ्रमण पंजिका में अवश्य दर्ज करें। इसके साथ ही उन्होने साफ–सफाई और बेहतर करने का निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी पंकज सिंह सहित संबंधित कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रतिभा खोज परीक्षा के सफल छात्र पुरस्कृतःमिला पुरस्कार तो खिले चेहरे

संवाददाता–बस्ती। गौतमबुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा में प्रतिभा खोज परीक्षा वर्ष–2024 के सफल छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि डिप्टी डायरेक्टर बागवानी मंगला प्रसाद त्रिपाठी ने छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया। कहा कि यह प्रतियोगिता का युग है। ऐसे आयोजनों से छात्रों को सीखने का अवसर मिलता है। विशिष्ट अतिथि रामपूरन चौधरी, प्रेक्सिस विद्यापीठ प्रवन्धक प्रशान्त पाण्डेय, ई. के.डी. पाण्डेय ने छात्रों का उत्साह बढाते हुये कहा कि वे निरन्तर सही दिशा में आगे बढे। डा. वी.के. वर्मा, डा. आलोक रंजन ने कहा कि प्रतिभा खोज परीक्षा छात्रों के लिये बड़ा अवसर है।

कार्यक्रम में मानसी गुप्ता, अदिति सिंह को प्रथम पुरस्कार साईकिल, द्वितीय पुरस्कार के रूप में अंश प्रजापति, अरनवसिंह को स्टडी टेबल, तृतीय पुरस्कार के रूप में रोहित यादव, विराट सिंह को आक्सफोर्ड शब्दकोश के साथ ही छात्रों में बैग, आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम में श्री जगदम्वा प्रसाद दुबे, जगनरायन वर्मा, गौरव कुमार पाण्डेय,कमलेश कुमार चौधरी, अपर्णा त्रिपाठी, अमरेश कुमार चौधरी उमेश चन्द्र शुक्ल, सुनीता वर्मा, उमेश भारतद्वाज, संकटा प्रसाद, आराधना पाण्डेय ज्योति त्रिपाठी, शीतल वर्मा, रंजना सोनी, हजरत अली, मंजू श्रीमती प्रमिला मिश्रा, सौम्या त्रिपाठी, संगीता प्रजापति, रितु गुप्ता, जगजीवन आदि ने योगदान दिया।

प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग का गठन

कैलाशनाथ जिलाध्यक्ष, दीपक सिंह 'प्रेमी' जिला महासचिव बने

संवाददाता–बस्ती। प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग उ.प्र. की मण्डलीय बैठक प्रेस क्लब सभागार में प्रदेश प्रभारी 'प्रोटान' आर.एल. गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मौलिक डिजिटल रजिस्टर एवं ऑनलाइन उपस्थिति के निर्णय को पूरी तरह से वापस लिये जाने के साथ ही अन्य समस्याओं और उनके निराकरण पर विचार किया गया। बैठक के दूसरे चरण में सर्व सम्मति से प्रोफेसर, टीचर एण्ड नॉन टीचिंग एम्पलाइज विंग उ.प्र.'प्रोटान' के बस्ती इकाई का गठन किया गया जिसमें कैलाशनाथ जिलाध्यक्ष, दीपक सिंह 'प्रेमी' जिला महासचिव, विजय कुमार भारती जिला सचिव, दिवाकर अमर सिंह उपाध्यक्ष के साथ ही वृजमोहन कन्नौजिया को परसरामपुर, राकेश कुमार चौहान गौर और सत्या प्रकाश को साऊंघाट का ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसी क्रम में जोखू पासवान को संतकबीर नगर जनपद का जिलाध्यक्ष नामित किया गया है।

जिलाध्यक्ष कैलाशनाथ ने कहा कि डिजिटल रजिस्टर एवं ऑनलाइन उपस्थिति का निर्णय पूरी तरह से अव्यवहारिक है। अनेक विद्यालय सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में हैं जहां नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। ऐसी स्थिति में सरकार पूरी तरह से इस निर्णय को वापस लेने के साथ ही शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा उपलब्ध कराये। जिला महासचिव दीपक सिंह 'प्रेमी', मण्डल प्रभारी दिनेश चौधरी ने शिक्षकों की समस्याओं को विस्तार से रखा और कहा कि सरकार और विभाग के उच्चाधिकारी ऐसे नियम बनाये जिससे शिक्षा में सुधार हो, शिक्षकों को संदिग्ध कर देने की मानसिकता अनुचित है।

प्रोटान की मण्डलीय बैठक में मुख्य रूप से राजेन्द्र प्रसाद, महेन्द्र कुमार अमरोही, सत्येन्द्र सहाय, अनिल कुमार, गंगा प्रसाद कन्नौजिया, लवकुश वर्मा, अखिलेश यादव, महेन्द्र कुमार, रामचन्द्र यादव, सुरेन्द्र कुमार, सुभाष चन्द्र वरुण, विनोद कुमार के साथ ही अनेक शिक्षक शामिल रहे।

तहसील के भ्रष्टाचार के विरोध में वकीलों ने खोला मोर्चा, ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–गोंडा। प्रभारी तहसीलदार के विरुद्ध कई आरोप लगाते हुए वकीलों ने तेरह सूत्रीय मांग पत्र डीएम को सौंपा है। गुरुवार को वकीलों ने तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया। आक्रोशित वकीलों ने बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व महामंत्री चंद्र मणि तिवारी के संयुक्त नेतृत्व में तेरह सूत्रीय मांग पत्र डीएम को सौंप कर कार्यवाही की मांग की। मांग पत्र में नामांतरण, वरासत, किसी आदेश की अंकना , स्थगन दाखिल खारिज, कागजात दुरुस्ती, हदबरारी व अनुसूचित जाति के परमीशन पत्रावलियों में लेटलतीफी का आरोप लगाया है। कहा कि वादकारियों द्वारा किसी तरह से लेखपाल से जांच रिपोर्ट लगवाकर भेजी जाती है जिसे जांच के लिए दोबारा वापस भेज दिया जाता है। पीठासीन अधिकारी अदालत पर न बैठकर अपने चौंबर अथवा निजी कार्य में व्यस्त रहते हैं। सदर तहसील में सैकड़ों अविवादित पत्रावलियां धूल फांक रही हैं। वकीलों का आरोप है कि प्रभारी तहसीलदार जब से आये हैं तब से तहसील भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है। जहां पर बिना पैसे का कोई काम नहीं होने वाला। यही नहीं कभी कभार कोई आदेश हो भी जाए तो उसकी अंकना कराना दुरुह साबित होता है। आदेशों के अंकना का कार्य रजिस्ट्रार कानूनगो का होता है और वह अपनी सीट पर मिलते ही नहीं हैं। डीएम ने वकीलों के आक्रोश को देखते हुए शीघ्र मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर विनय मिश्रा, लाल बिहारी शुक्ला, केशवराम दूबे, अजीत तिवारी, पाटेश्वरी पांडेय आदि मौजूद रहे।

रामनगरी में विश्व में अमन-शांति के लिए हुआ रामार्चा पूजन

संवाददाता–अयोध्या। विश्व कल्याण के लिए गुरूवार को प्रसिद्ध पीठ श्रीरामाश्रम रामकोट में रामार्चा पूजन हुआ। श्रीरामार्चा पूजन को रामाश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर एवं आरएसएस रामलला नगर संघ चालक महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने सानिध्य प्रदान किया। मंदिर के गर्भगृह में विराजमान भगवान श्रीसीताराम का सुबह भोग, आरती–पूजन किया गया। उसके बाद विधि–विधान पूर्वक रामार्चा पूजन हुआ। तदुपरांत महंत जयराम दास महाराज ने उपस्थित साधु–संतों और भक्तजनों को रामार्चा पूजा की कथा विस्तार पूर्वक सुनाई। कथा के समापन उपरांत श्रीरामार्चा भगवान की दिव्य आरती उतारी गई। अंत में सभी को श्रीरामार्चा का प्रसाद वितरित हुआ। प्रसाद पाकर भक्तगण धन्य हुए। उन्होंने अपना जीवन सार्थक बनाया। श्रीरामाश्रम के वर्तमान पीठाधिपति महंत जयराम दास वेदांती महाराज ने कहा कि आषाढ़ शुक्ल द्वादशी पर मठ प्रांगण में रामार्चा पूजन का आयोजन हुआ। पूजन में संत–महंत से लेकर आश्रम से जुड़े हुए भक्तगण सम्मिलित हुए। जिन्होंने पूरे श्रद्धा भाव के साथ श्रीरामार्चा भगवान के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा निवेदित की। महंत श्रीदास ने कहा कि विश्व और राष्ट्र कल्याण के लिए यह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित हुआ। जिससे सभी में विश्व बंधुत्व की भावना बनी रहे। सब लोग मिल–जुलकर रहें। उनमें आपसी एकता–भाईचारा बना रहे। किसी प्रकार की वैमनस्यता न हो। अमन, शांति पूरे विश्व तक जाए। भारत देश तरक्की के पथ पर अग्रसर हो। भारत पूरे विश्व में परचम लहराये। वह फिर से विश्व गुरु बने, जिसकी गणना दुनिया के शक्तिशाली देशों में हो। वह नई बुलंदियों को छुए। इसी उद्देश्य को लेकर रामार्चा पूजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ आश्रम के महंत रामेश्वर दास, करूणानिधान भवन के अधिकारी रामनारायण दास, महंत विनोद मिश्रा, आचार्य कृष्णचंद्र ठाकुर समेत अन्य मौजूद रहे।

श्रीवानमामलै नांगुनेरी तिरूनेलवेली, तमिलनाडु के 31वें पीठाधीश्वर का अयोध्या मे हुआ स्वागत

संवाददाता–अयोध्या। देश–विदेश के समस्त श्रीतोताद्रि मठों की प्रधानतमपीठ श्रीवानमामलै नांगुनेरी तिरूनेलवेली, तमिलनाडु के 31वें पीठाधीश्वर जगद्गुरू श्रीतोतादि स्वामी बुधवार को अयोध्या पहुंचे। जहां विभीषण स्थित प्रसिद्ध पीठ श्रीउत्तर तोताद्रिमठ में श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज के संयोजन में उनका स्वागत किया गया। स्वागत–सम्मान से वे बहुत ही अभिभूत दिखे। तोताद्रि स्वामी श्रीवानमामलै नांगुनेरी तिरूनेलवेली मठ चेन्नई से अपने शिष्य–अनुयायियों संग अयोध्यानगरी पहुंचे हैं। स्वामी श्री के अयोध्या पहुंचने पर सर्वप्रथम तोताद्रिमठ के वेदपाठी छात्रों ने स्वस्तिवाचन से उनका स्वागत किया। उसके बाद उनका पद प्राच्छालन कर पुष्पहार भेंट किया गया और आरती उतारी। इस मौके पर श्रीवानमामलै पीठाधीश्वर श्रीतोतादि स्वामी ने कहा कि अयोध्या पवित्र पावन पुनीत धाम है। जहां मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने अवतार लिया। आज श्रीरामजन्मभूमि पर उनका दिव्य, भव्य, नव्य बनकर तैयार है, जिसमें श्रीराममलला सरकार विराजमान हैं। जो हम सबके लिए खुशी एवं गर्व की बात है। अयोध्या सप्तपुरियों में मस्तक के समान है। जिसे सातों पुरियों में मस्तक कहा गया है। अयोध्या एक मोक्षदायिनी नगरी है, जिसकी बड़ी ही महिमा है। स्वामी अनंताचार्य महाराज ने कहा कि देश–विदेश में समस्त तोताद्रि मठों की मूलगद्दी के पीठाधिपति श्रीतोताद्रि स्वामी अयोध्या पहुंचे हैं। जो अपने शिष्य–अनुयायियों संग रामनगरी उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड में प्रवास कर रहे हैं। तोताद्रि स्वामी इन दिनों अपने दो दिनी प्रवास पर हैं। इस दौरान वह श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान श्रीराममलला सरकार का दर्शन भी करेंगे। यह उनकी धार्मिक यात्रा है। इससे पहले भी वह अयोध्या आ चुके हैं। 20 जुलाई को दोपहार बाद स्वामीश्री अयोध्या से आगे के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। इस अवसर बालदेशिक सोपान ट्रस्ट के प्रबंधक केशव प्रपन्नाचार्य, कूर्मनारायण नेपाली मंदिर के जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी हरिप्रपन्नाचार्य समेत अन्य संत–महंत, भक्तगण मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद ने किया पौधरोपण, दिया पर्यावरण रक्षा का सन्देश

संवाददाता–बस्ती। भारत विकास परिषद मनवर शाखा हरैया के तत्वाधान में कप्तानगंज विकासखण्ड के महादेवरी गांव स्थित माता कात्यायनी मंदिर के प्रांगण में बड़ी संख्या में पौधरोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम भारत विकास परिषद मनवर शाखा के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र त्रिपाठी की अगुवाई में आम, पीपल, अशोक, आंवला, अमरूद सहित बड़ी संख्या में फलदार, छायादार और औषधीय पौधे लगाए गए। श्री त्रिपाठी ने कहा कि भारत विकास परिषद के तत्वाधान में पूरे देश की सभी शाखाओं द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम किया जा रहा है। पृथ्वी को किसी भी प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की जरूरत है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे का संरक्षण जरूरी है क्योंकि प्रायः देखा जाता है कि देखभाल के अभाव में पौधे सूख जाते हैं। मनवर शाखा के संरक्षक अवधेश त्रिपाठी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील करते हुए कहा कि वृक्ष हैं तो पृथ्वी पर जीवन है। नए दौर में वृक्षों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है। यही कारण है कि मौसम में परिवर्तन आ रहा है। पृथ्वी के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। इस अवसर पर डॉ दीनानाथ पटेल, डॉ हरिओम श्रीवास्तव, धर्मध्वज सिंह, डॉ विकास कान्त पाण्डेय, सन्तोष कुमार शुक्ल, उमेश चंद्र पाण्डेय, अनिल कुमार पाण्डेय, विवेक कान्त पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, शक्ति शरण उपाध्याय, नटवर सिंह, प्रधान राधेश्याम मणि, आशुतोष शुक्ल, शिव शंकर शुक्ल, जय प्रकाश शुक्ल, शिव प्रसाद शुक्ल, अमरनाथ शुक्ल, राजाराम विश्वकर्मा, सतीश शुक्ल लायक, लक्ष्मीकांत शर्मा, दुर्गा प्रसाद, तेजस, शिवम, पूर्णिमा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

वसूली में तेजी लाकर लक्ष्य को पूरा करें अधिकारी –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वसूली से जुड़ सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ कर–करेत्तर एवं राजस्व वसूली की बैठक की गई। बैठक में वसूली में तेजी लाकर लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि राजस्व वसूली से ही सरकार की ओर से तमाम योजनाओं का संचालन किया जाता है। इसलिए सभी विभागीय अधिकारी विशेष रुचि लेकर राजस्व वसूली में तेजी लाएं और अपने लक्ष्यों को पूरा करें। समीक्षा के दौरान माह जून में नगर निकाय 37.38 प्रतिशत, वाणिज्य कर जीएसटी 40.33 प्रतिशत, वन 70.97 प्रतिशत व अलौह खनन 70 प्रतिशत की वसूली पाई गई। जो लक्ष्य से कम रहा। इस पर डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को दायित्व बोध के साथ कार्य कर प्रत्येक दशा में शत–प्रतिशत वसूली कर लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में डीएम ने राजस्व वादों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले के बड़े बकायदारों से वसूली के लिए जो आरसी जारी हुई है, उसमें तेजी लाएं तथा इसके लिए अपर जिलाधिकारी समय–समय पर समीक्षा भी करते रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र के आवेदन लम्बित न रहने पाए। समय से रिपोर्ट लगाकर प्रमाण पत्रों को जारी किया जाय। इस दौरान राजस्व वसूली, भूमि पट्टा आवेदन, किसान दुर्घटना बीमा, स्वामित्व योजना, खतौनी पुनरीक्षण आदि की भी समीक्षा की गई और सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने को निर्देशित किया गया। बैठक में एडीएम अमरेन्द्र कुमार वर्मा, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, एसडीएम जमुनहा एसके राय, एसडीएम इकौना ओम प्रकाश, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.82 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार
स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०९४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com